राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विद्यापीठ, नागपुर से संलग्नित

गो। से। अर्थ – वाणिज्य महाविद्यालय, नागपुर

(स्वायत्त संस्था)

प्रकल्प

कोरोना महामारी के दौरान जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए

“नि:शुल्क शिक्षा अभियान”

२०२० – २०२१

प्रकल्प कर्ता

अ. क्र।	नाम	कक्षा	मो। नं।
१	**सचिन रामसहाय साहू**	**M Com – I / H**	७८८८०२७०९९
२	**लखनलाल भास्कर रामटेके**	**M Com – I / H**	८०८००४५१२३
३	**जय नरेश खापरे**	**M Com – I / H**	९३७३२९६१८७
४	**प्राची बिसेन**	**B Com – II / H**	९०२२८६१८५५

प्रकल्प मार्गदर्शक

डॉ. ए. बी. पटले

(राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक)

प्रकल्प समिति

डॉ। नेहा कल्याणी

आजीवन अध्ययन एवं विस्तार विभाग

❖ भूमिका :

कोरोना काल में तालाबंदी के चलते सभी क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ। उद्योग, समाज और अर्थव्यवस्था अस्त – व्यस्त हो गया। कोरोना महामारी को नियंत्रण में लाने के लिए सरकार ने तालाबंदी की नीति अपनाई। जिसके चलते भीड़ वाले इलाके – सिनेमाघर, बाजार, शॉपिंग मॉल, ऑफिस आदि को बंद करने के साथ – साथ अध्ययन क्षेत्र स्कूल – कॉलेजो को भी बंद कर दिया गया। परिणामतः विद्यार्थियों का विकास थम स गया। शिक्षा के क्षेत्र की बाधाओं को बढ़ते देख प्रशासन ने ऑनलाइन माध्यम से शिक्षा का प्रसार प्रारंभ किया। लेकिन ग्रामीण परिवेश और निम्न वर्ग के लिए महँगी ऑनलाइन शिक्षा आसान नहीं थी।

समाज मे शिक्षा की इस स्थिति को देखकर हमने एक "निशुल्क शिक्षा" अभियान शुरू किया जिसके अंतर्गत हमने उन विद्यार्थियों को मुफ्त शिक्षा देने का संकल्प किया निर्धन परिवार से थे, जिनके माँ-पिता ऑनलाइन पढाई का खर्च उठाने में असमर्थ थे।

❖ अभिस्वीकृति :

"निशुल्क शिक्षा" अभियान के लिए प्रेरणा हमारे महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ए. बी. पटले सर से मिली। उन्होंने हमे इस अभियान के लिए समय - समय पर मार्गदर्शित किया। हमने कोरोना से बचाव करने के लिए बच्चो को स्वास्थ्य और स्वच्छता से सम्बंधित पाठ भी पढ़ाया। ताकि वे स्वच्छता का महत्व समझे और कोरोना महामारी के चपेट में आने से बचे। इस कार्य में हमे सर का काफ़ी सहयोग प्राप्त हुआ। उन्ही के मार्गदर्शन में हमने यह नया अनुभव किया। काफ़ी कुछ नया सीखने को मिला। यह सब उनके मार्गदर्शन के कारण सफल हुआ। अपने इस अभियान से जुड़कर हमने देने की प्रवृत्ति के संतोष का अनुभव किया।

❖ स्थल :- वसंतराव नाइक वसाहत, अमरावती रोड, धरमपेठ, नागपूर - 440010 (निवास स्थान)

वर्ष २०२० – २०२१ में हमने मिलकर वसंतराव नाइक वसाहत, धरमपेठ में एक अभियान चलाई है। धरमपेठ के गरीब एवं जरूरतमंद विद्द्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करना संभव नहीं था। बच्चे पढाई छोड़कर खेल - कूद में अपना समय बर्बाद करते थे। यह सब देखकर हमने उन गरीब विद्द्यार्थियों के लिए एक पहल सोची, हमने यहाँ के ४ -

५ विद्यार्थियों को मुफ्त शिक्षा देने का फैसला किया जिससे कि इन विद्यार्थियों का ऑनलाइन शिक्षा न ले पाने के कारण कोई नुकसान न हो।

हमने इन बच्चों को मुलभुत शिक्षा देने का प्रयास किया है, इसमे हमने उन्हें सामान्य ज्ञान, इतिहास, हिंदी, अंग्रेजी, गणित और चित्रकला आदि विषय पढ़ाने का प्रयास किया है। बच्चों ने हमें शुरुवात में अच्छा प्रतिसाद नही दिया परंतु समय के साथ उन्होंने सभी प्रकार के कार्यक्रमों में सहभाग लिया। हमने उनके अन्दर की कला को बाहर लाने के लिए कई प्रकार के उपक्रम चलाये तथा कार्यक्रम का आयोजन किया। हमने उनके लिए गायन, नृत्य, नाट्य, चित्रकला, निबंध स्पर्धा जैसे कार्यक्रम आयोजित किये जिनमे उन्होंने उत्साह पूर्ण सहभाग लिया।

❖ अभियान के दौरान सामने आई समस्याएं :

- कोरोना महामारी के चलते लोग बहुत डरे हुए थे, ऐसे में वे अपने बच्चो को घर से बाहर भेजने के लिए राजी नहीं थे, चाहे वह पढाई ही क्यों न हों।
- बच्चो को कोरोना महामारी के खतरे के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी ऐसे में उन्हें कोरोना के रोकथाम के उपाय समझाना साथ ही उनके शरारतों को समझदारी में बदलना थोडा मुश्किल काम था।
- स्कूल – कॉलेज बंद होने से विद्यार्थियों का मन पढ़ाई से हट चूका था, उनका मन पढ़ाई के तरफ़ पुनः आकर्षित करना काफी मुश्किल था।

❖ अभियान के दौरान सामने आई समस्याओं के निवारण हेतु सुझाव :

- जो लोग अपने बच्चों को पढाई के लिए नहीं भेजते थे उन लोगो को हमने उनके घर जाकर कोरोना के रोकथाम के उपायों से परिचित कराया, शुरू में काफी दिक्कते हुई लेकिन बहुत समझाने के बाद वे समझने लगे और पूरी सुरक्षा के साथ अपने बच्चों को पढाई के लिए हमारे पास भेजने लगे।
- 'बच्चों का मन पढाई में लगे रहे और वे और ज्यादा मेहनत करें', इसके लिए हमने पढाई में उत्तम प्रदर्शन करने वाले बच्चों को परीक्षा के माध्यम से पुरुस्कृत करना शुरू किया।
- बच्चों के व्यक्तित्व विकास और सामान्य जानकारी हेतु हमने पढाई के साथ – साथ अन्य गतिविधियाँ भी ली, जिनमे उनकी कला का विकास हो।

- पर्यावरण से जोड़ने के लिए उनके साथ वृक्षारोपण कर उन्हें उसका संवर्धन व संरक्षण सिखाया।

❖ निष्कर्ष :-

प्रारंभ में आई समस्याएं शीघ्र ही समाप्त हुई।

बच्चे अब हमारी कक्षाओं में अपनी रुचि से पढ़ने लगे।

4-5 विद्यार्थियों से शुरू हुआ हमारा अभियान धीरे-धीरे 20-25 विद्यार्थियों तक पहुंचा।

इस अभियान से प्रेरित होकर हमारे महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थी भी हमारे साथ जुड़ते चले गए।

❖ बच्चों के साथ किये गए उपक्रम :-